

2. अच्छी नस्ल का घोड़ा 3. नाखून में होने वाला एक रोग 4. शक्तिपूजक

कुलुक पुं. (तत्.) जीभ पर जमनेवाली मैल, जिह्वामल, झिल्ली।

कुलुफ पुं. (अर. < कुफल) ताला।

कुलेल स्त्री. (तद्.) क्रीड़ा, केलि-कल्लोल, ऊँची आवाज करने वाली लहर, मौज, आनंद।

कुलेलना (देश.) क्रीड़ा करना, आमोद प्रमोद करना।

कुलोपदेश पुं. (तत्.) कुल का नाम, कुलगत नाम।

कुल्माष पुं. (तत्.) 1. हाथी 2. उड़द, माष 3. बोरो धान 4. वह अन्न जिसमें दो भाग या दल हो जैसे- मटर, चना 5. बन कुलथी 6. सूर्य का एक पारिपार्श्वक 7. खिचड़ी 8. कांजी 9. एक प्रकार का रोग।

कुल्या स्त्री. (तत्.) 1. एक कृत्रिम नदी, नहर 2. छोटी नदी, नाला 3. पनाला, नाली 4. कुलीन स्त्री 5. जीवंती नामक औषधि 6. आठ द्रोण के बराबर का एक प्राचीन तौल 7. साध्वी स्त्री 8. परिखा, खाई।

कुल्ला पुं. (तद्. कवल) 1. मुँह के अंदर दाँत, जीभ आदि साफ करने की क्रिया, गरारा 2. उतना पानी जितना एक बार में मुँह में लिया जाए 3. घोड़े का एक रंग या उस रंग का घोड़ा 4. कटोरानुमा टोपी।

कुल्ला पुं. (फा.) अलक, जुल्फ

कुल्ली स्त्री. (देश.) 1. मुँह के अंदर के भागों यथा दाँत, जीभ आदि को पानी से साफ करने की क्रिया 2. उतना पानी जितना एक बार मुँह में लिया जाए, पानी का एक घूँट (फा) जुल्फ पट्टा।

कुल्लूक पुं. (तत्.) मनुसंहिता (मनुस्मृति) के टीकाकार जो दिवाकरभट्ट के पुत्र का नाम।

कुल्हड़ स्त्री. (देश.) पुरवा, चुक्कड़।

कुल्हाड़ा पुं. (देश.) एक औजार, जिससे बढ़ई पेड़ काटते और लकड़ी चीरते हैं, कुठार, टांगा।

कुल्हाड़ी स्त्री. (देश.) 1. छोटा कुल्हाड़ा 2. बसूला।

कुल्हिया स्त्री. (देश.) छोटा, कुल्हड़, चुक्कड़ मुहा. कुल्हिया में गुड़ फोड़ना- इस प्रकार कार्य करना कि दूसरे किसी को कानों कान खबर न हो।

कुवलय पुं. (तत्.) 1. नील कमल 2. भू-मंडल 3. एक प्रकार के असुर।

कुवलयानंद पुं. (तत्.) संस्कृत का प्रसिद्ध अलंकार ग्रंथ जिसके रचयिता 17 वीं शताब्दी के अप्पय दीक्षित थे।

कुवलयापीड पुं. (तत्.) एक हाथी का नाम, जिसे कंस ने कृष्ण को मारने के लिए धनुषयज्ञ के द्वार पर छोड़ा था का लेकिन श्रीकृष्ण ने ही इसे मार डाला था।

कुवलयाश्व पुं. (तत्.) 1. धुंधुमार राजा का एक नाम 2. प्रतर्दन का एक नाम 3. ऋतुध्वज राजा का नाम 4. पुराणों के अनुसार एक घोड़ा, जिसे ऋषियों का यज्ञ विध्वंस करनेवाले पातालकेतु को मारने के लिए सूर्य ने पृथ्वी पर भेजा था।

कुवाक्य पुं. (तत्.) 1. अयोग्य गाली 2. बुरी बात।

कुवाच्य पुं. (तत्.) कठोर वचन, दुर्वचन, गाली वि. (तत्.) जो कहने योग्य न हो, गंदा, बुरा।

कुवासना स्त्री. (तत्.) 1. पापमय विचार या दुष्ट कर्म की इच्छा, बुरी इच्छा।

कुविंद पुं. (तत्.) जुलाहा, कोरी, वस्त्र बुनने वाली उपजाति या उसका कोई व्यक्ति।

कुविचार पुं. (तत्.) बुरा विचार।

कुविचारी वि. (तत्.) बुरे विचार वाला।

कुवेणी स्त्री. (तत्.) 1. तुरंत पकड़ी गई मछलियों को रखने की टोकरी, मछली रखने की डलिया 2. बिना तरीके गुँथी हुई वेणी, सिर के बेतरतीब केशगुच्छ।

कुवेर पुं. (तत्.) दे. कुबेर।

कुवेर-बांधव पुं. (तत्.) शिव पर्या. त्र्यंबक, यक्षराज, गुह्यकेश्वर, मनुष्यधर्मा, धनद, धनाधिप, वैश्रवण, नरवाहन, यज्ञ, एकपिंग, ऐलविल, श्रीद, पुण्यज्नेश्वर, हर्यक्ष, अलकाधिप 2. जैन मत में वर्तमान